४०१/४२५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १६ जून, २०१३)

(समय : सुबह ९:०० से ११:१५) **सत्संग प्रवेश - १**

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : नीलकंठ चरित्र - तृतीय संस्करण, नवम्बर - २०११

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''बैलगाड़ी की कोई आवश्यकता नहीं है । एक बड़ी सी चद्दर ले आओ ।'' (१०५)

२. ''अब मैं और आगे नहीं जाने दूँगा ।'' (५५)

३. ''नियमानुसार आज मैं अयोध्या में आपके घर गया।'' (१०)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. लाखा कोली की आँखों से आँसू बहने लगे । (८१)

२. भुजनगर में बिराजते रामानंद स्वामी का मन प्रफुल्लित हो उठा । (१०७)

३. तेलंग देश के राजा का अगला जन्म काठियावाड़ में हुआ । (६३)

प्र.३ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) [५]

१. रामानंद स्वामी का जीवन चरित्र । (८६-९०)

२. राजा रणजितसिंह को उपदेश । (२२-२३)

३. नीलकंठ की खोज में । (५४-५५)

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. रामानुजाचार्य की व्यासपीठ पर कौन संन्यासी उपस्थित थे ? (७२)

२. लखुचारण कैसी दृष्टिवाली भक्त थीं ? (८५)

३. नीलकंठवर्णी ने लक्ष्मणजी को किस रूप में दर्शन दिए ? (१८)

४. लोज में नीलकंठवर्णी सभास्थल छोड़कर क्यों जाने लगे ? (९९)

५. सिरपुर में कौन से राजा शासन करते थे ? (४१)

प्र.५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [४]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. नीलकंठवर्णी ने गोपालयोगी से कौन कौन सी विद्या सिद्ध की ? (३९)

(१) ☐ ब्रह्मविद्या (२) ☐ कुक्षिविद्या (३) ☐ अक्षिविद्या (४) ☐ अग्निविद्या

२. वनविचरण दौरान नीलकंठवर्णी को किस किसने भोजन करवाया ? (७१, ७५, ७७)

(१) ☐ शिव-पार्वती (२) ☐ नानीबाई

(३) ☐ अमीचंद (४) ☐ लक्ष्मीनारायण

प्र.६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । [४]

१. कानदास को ..... के आगमन की खबर ..... ने दी । (७७)

२. ..... स्वामी ..... की बावड़ी में पानी भरने आए । (९३-९४)

३. संवत् ..... के ..... मास में रामानंद स्वामी अंतर्धान हुए । (१२०)

४. पिबैक ..... का उपासक था । (४३)

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग - १ - प्रथम संस्करण, जून - १९९७

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''प्रकृति और पुरुष का राज्य दे दें तो ?'' (३३)

२. ''अभी तक बस वैसे ही बातें कर रहे हैं ?'' (४९)

३. ''इससे जगत में हमारी निन्दा होती है, आप जाकर उन्हें समझाइये ।'' (४)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [४]

१. आशाभाई शास्त्रीजी महाराज के विशेष निकट आये । (६०)

२. दलपतराम कवीश्वर बने । (१७)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रवेश-१**'' परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.९ ब्रह्मानंद स्वामी का मंदिरनिर्माण कार्य में योगदान । (७,८,१०)- **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [४]

१. महायोगी के पैरों में पड़ते वक्त जोबनपगी के हृदय में कैसा भाव जागा ? (३४)

२. जेठाभाई का संकल्प जानते भगतजी ने क्या किया ? (५०)

३. रायजी ने जोबन को ललकारते हुए क्या कहा ? (३६)

४. बालक देवीदान के हृदय में कौन सी इच्छा प्रबल हुई ? (१४)

प्र.११ निम्नलिखित विषय और सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । [६]

विषय : सद्‌गुरु शुकानंद स्वामी । (२१, २२, २५)

१. श्रीजीमहाराज ने हलवे का दातुन कराया । **२.** श्रीजीमहाराज ने अपने बाहिने चरण के अँगूठे से दीपक का प्रकाश फैलाकर पत्र पूरा लिखवाया । **३.** शुकमुनि को गुणातीतानंद स्वामी की बातों से श्रीजीमहाराज की सर्वोपरीता के बारे में निष्ठा दृढ़ हुई । **४.** उन्होंने मुक्तानंद स्वामी को कहा, ''यदि आप मेरी ओर से सिफारिश करें तो महाराज मुझे साधु बनाएँगे ।'' **५.** श्रीजीमहाराज बोले, ''चलिए, चलिए, डभाण से कोई मुक्त आ रहा है ।'' **६.** मुक्तानंद स्वामी ने दीक्षा दी और उनका 'शुकानंद स्वामी' नाम रखा । **७.** श्रीजीमहाराज ने कहा, ''ये नित्यानंद स्वामी भी तुम्हारा पूर्व का नाम शायद जानते होंगे ।'' **८.** श्रीजीमहाराज के पत्रव्यवहार का पूरा कामकाज वे ही सम्हालते थे । **९.** श्रीजीमहाराज ने उन्हें देखकर साष्टांग दण्डवत् किया । **१०.** हरिभक्तों का जीवन देखकर और बातें सुनकर श्रीजीमहाराज के प्रत्यक्ष दर्शन की लालसा तीव्र हो उठी । **११.** उन्होंने सोमला खाचर को कहा, ''यदि आप मेरी ओर से सिफारिश करें तो महाराज मुझे साधु बनाएँगे ।'' **१२.** श्रीजीमहाराज ने अपने दाहिने चरण के अँगूठे से दीपक का प्रकाश फैलाकर पत्र पूरा लिखवाया ।

(१) केवल सही क्रमांक ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

(२) यथार्थ घटनाक्रम ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । [४]

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : स्वामी यज्ञप्रियदासजी : मोतीभाई के पुत्र जेठाभाई, खेत में घुमते समय बिच्छू के काटने से धाम में गए । बाद में श्रीजीमहाराज के साथ आकर मोतीभाई को नारायण कहा ।

उत्तर : स्वामी यज्ञप्रियदासजी : आशाभाई के पुत्र **देसाईभाई**, **चारागाह** में **काम** करते समय **सर्पदंश** होने से धाम पधारे । बाद में **भगतजी महाराज** के साथ आकर **आशाभाई** को **जय स्वामिनारायण** बोला ।

१. सद्‌गुरु ब्रह्मानंद स्वामी : श्रीरंगदासजी अपनी कुनेह शक्ति से एवं आनंदी स्वभाव से महाराज को हमेशा प्रसन्न रखते थे । इसलिए महाराज कभी कभी उन्हें 'ब्रह्मानंद' कहकर पुकारते थे । (४)

२. सद्‌गुरु देवानंद स्वामी : दीक्षा बाद वे मुक्तानंद स्वामी के पास रहकर संस्कृत एवं गानविद्या सीखने लगे । (१६)

३. भक्तराज दरबार श्री झीणाभाई : झीणाभाई ने हठीसिंह की चारपाई उठाई और श्रीजीमहाराज झीणाभाई की अर्थी उठाकर चोगुने कदम चले । (३३)

४. स्वामी निर्गुणदासजी : उनकी अंतिम अवस्था में सब हरिभक्त गद्‌गद हो गये और कहने लगे, ''अभी तो हम लोग अटलादरा मंदिर में आरती उतारने जानेवाले हैं । हिम्मत रखो ।'' (५६)

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । [१०]

१. योगीजी महाराज का युवकों को चरित्र-बोध । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - सितम्बर - २०१२)

२. सकारात्मकता : पार उतारती है विद्यार्थियों की नौका । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - अक्टूबर - २०१२)

३. यौवन : शिक्षणगढ़न का श्रेष्ठ अवसर । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - अक्टूबर - २०१२)

❊ ❊ ❊

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ७ जुलाई, २०१३ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/index.htm